



'चीन के एजेंडे को बढ़ावा नहीं देने देंगे...'

विपक्षी दलों में आरोप-प्रत्यारोप का दौर मी शुरू हो गया, दिल्ली पुलिस की छापेमारी पर सत्ता और विपक्षी दलों में रार

सख्ती

8 पुलिस ने कई पत्रकारों से पूछताछ की गई है और उनके मोबाइल, लैपटॉप जैसे उपकरण को जब कर लिया।

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली दिल्ली पुलिस के संघर्ष सेल ने चीनी पांडिंग के आरोपों में समाचार बेबसाइट न्यूज़किलक के कई टिक्काओं पर मंगलवार सुबह

छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने कई पत्रकारों से पूछताछ की जहाँ है और उनके मोबाइल, लैपटॉप जैसे उपकरण को जब कर लिया है।

विपक्षी दलों में आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी शुरू हो गया है, जहाँ भाजपा इस एजेंसी की

अपनी कार्रवाई बता रही है तो विपक्षी गोपनीयक दलों के नेता छापेमारी की आलोचना कर केंद्र को दोषी पहारा रहे हैं।

सरकार को चुकानी होगी इसकी

कीमत: राजद नता और राजसभा सदस्य मनोज जा ने आरोप लगाया

कि न्यूज़किलक के खिलाफ ये

छापेमारी केंद्र के निर्देश पर की जा



चीन का एजेंडा घलाने की नहीं होगी अनुमति

भाजपा नेता आरोपी सिंह ने कहा कि अगर कोई एजेंसी अपने पैसे का इस्तेमाल कर चीन का एजेंडा घलानी है तो इसकी अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। उनके खिलाफ पहले से ही जांच चल रही थी। वे कोने के पैसे का इस्तेमाल चीन को बढ़ावा देने और भारत को बढ़ाना करने के लिए कर रहे हैं। उन सभी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले दिल्ली पुलिस

न्यूज़किलक के संपादक प्रीवर पुरायास्थ और लेखक पर जांच गृहीत कर चुका था। वे कोने के पैसे का इस्तेमाल चीन को बढ़ावा देने और अन्य जब सामना भी पुलिस सेल के साथ ले रहे थे। वहाँ दें कि पुलिस की यह छापेमारी 17 अगस्त को शुरू हो और आईपीसी की अन्य धाराओं के तहत दर्ज मामले पर की जा रही है,

रही है। उहाँने समाचार एजेंसी से बताकर रहे हैं कि यह सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात है... अप उहाँ दिल्ली पुलिस कों कह रहे हैं... बद गृह मंत्री अमित शाह के अधीन हैं और उनकी सहमति के बिना कुछ भी नहीं होता है... जो लोग उनकी (भाजपा) भजन मंडलों में

शामिल होने से इनकार करते हैं। उनके खिलाफ बद एजेंसी कार्रवाई करते हैं... वे इन सब के द्वारा दिखाये गये बातों का अध्ययन कर रहे हैं... वह गृह मंत्री अमित शाह के अधीन हैं और सरकार के इस कदम की उन्हें कीमत चुकानी पड़ेगी। कप्रिया नेता पवन खेंडवा ने पुलिस कार्रवाई को

केंद्र की 'याच भटकाने' की रणनीति का बताकर कहा कि कल जब से बिहार के जाति जनगणना के बीच बीच दुस्मानों को बढ़ावा देना। और आईपीसी की 120 बी (आपाराधिक सांजिश) शमिल है। इससे पहले 10 अगस्त को न्यूज़किलक टाइम्स की एक रिपोर्ट में आरोप लगाया गया था कि न्यूज़किलक एक वैशिक नेटवर्क का हिस्सा है जिसे अमेरिकी अरबपति नैविल रैय सिंधम से फिरिंग मिलती है।

खड़ा हो जाता है तो मोदी जी के पाठ्यक्रम का एक बोध भाला अत्र बाहर ले आया जाता है— मुद्दे से लोगों का ध्वनि बटेने का अन्त्र। सबह से न्यूज़किलक के योगदानकर्ता प्रतिकारों के खिलाफ हो रही कार्यवाही इसी पाठ्यक्रम का हिस्सा है। उहाँने एक अन्य ट्रॉट

में कहा, न्यूज़किलक में योगदान देने वाले पत्रकारों पर सुबह—सुबह छापेमारी बिहार में जाति जनगणना के विस्तोरक निक्षेपों की बढ़ती मांग से ध्वनि भटकाने के रूप में सम्पन्न आई है। जब उनके सिलेबस से बाहर के प्रश्नों का सम्पन्न करना पड़ता है तो वह अपने अनुमानित पाठ्यक्रम में मौजूद एकमात्र काउंटर पास हाथ लेते हैं।

छापेमारी भाजपा की निशानी अखिलेश यादव: सपा के मुखिया अखिलेश यादव ने

दिल्ली पुलिस की कार्रवाई पर केंद्र पर निशाना साथे हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा, छापे हाते हुई भाजपा की निशानदार खबरनवीसों पर भाजपा हूक्यरामों ने हमेशा डाले हैं छापे, लोकन सरकारी प्रचार-प्रसार के नाम पर

कितने करोड़ रुप महीने मित्र चेन्नों को दिया जाता है तो मोदी जी के पाठ्यक्रम का एक बोध भाला अत्र बाहर ले आया जाता है— मुद्दे से लोगों का ध्वनि बटेने का अन्त्र।

सबह से न्यूज़किलक के योगदानकर्ता प्रतिकारों के खिलाफ हो रही कार्यवाही इसी पाठ्यक्रम का हिस्सा है। उहाँने एक अन्य ट्रॉट

अपने हिसाब से कांग्रेस को खड़ा कर रहे राहुल



टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली की कमान भी सोच दी गई है। इसी की में अब माकन को पाटी कोषाधक्ष बनाया जाना भी बड़ा फैसला माना जा रहा है।

कांग्रेस में कोषाधक्ष बाजाना जाता है नंबर 2 : वरिष्ठ कांग्रेसीयों के मुताबिक अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) में अध्यक्ष के बाद कोषाधक्ष को ही नंबर 2 पर माकन जाता है।

यांगी नालिकाजून खड़े के बाद अब माकन वही सोचते हैं। पूर्व में पाटी कोषाधक्ष बाजाना जाता है।

यांगी नालिकाजून खड़े के बाद अब माकन वही सोचते हैं। यांगी नालिकाजून खड़े के बाद अब माकन वही सोचते हैं।

यांगी नालिकाजून खड़े के बाद अब माकन वही सोचते हैं।

यांगी नालिकाजून खड़े के बाद अब माकन वही सोचते हैं।

यांगी नालिकाजून खड़े के बाद अब माकन वही सोचते हैं।

यांगी नालिकाजून खड़े के बाद अब माकन वही सोचते हैं।

यांगी नालिकाजून खड़े के बाद अब माकन वही सोचते हैं।

यांगी नालिकाजून खड़े के बाद अब माकन वही सोचते हैं।

यांगी नालिकाजून खड़े के बाद अब माकन वही सोचते हैं।

यांगी नालिकाजून खड़े के बाद अब माकन वही सोचते हैं।

यांगी नालिकाजून खड़े के बाद अब माकन वही सोचते हैं।

यांगी नालिकाजून खड़े के बाद अब माकन वही सोचते हैं।

यांगी नालिकाजून खड़े के बाद अब माकन वही सोचते हैं।

यांगी नालिकाजून खड़े के बाद अब माकन वही सोचते हैं।

यांगी नालिकाजून खड़े के बाद अब माकन वही सोचते हैं।

यांगी नालिकाजून खड़े के बाद अब माकन वही सोचते हैं।

यांगी नालिकाजून खड़े के बाद अब माकन वही सोचते हैं।

यांगी नालिकाजून खड़े के बाद अब माकन वही सोचते हैं।

यांगी नालिकाजून खड़े के बाद अब माकन वही सोचते हैं।

यांगी नालिकाजून खड़े के बाद अब माकन वही सोचते हैं।

यांगी नालिकाजून खड़े के बाद अब माकन वही सोचते हैं।

यांगी नालिकाजून खड़े के बाद अब माकन वही सोचते हैं।

यांगी नालिकाजून खड़े के बाद अब माकन वही सोचते हैं।

यांगी नालिकाजून खड़े के बाद अब माकन वही सोचते हैं।

यांगी नालिकाजून खड़े के बाद अब माकन वही सोचते हैं।

यांगी नालिकाजून खड़े के बाद अब माकन वही सोचते हैं।

यांगी नालिकाजून खड़े के बाद अब माकन वही सोचते हैं।

यांगी नालिकाजून खड़े के बाद अब माकन वही सोचते हैं।

यांगी नालिकाजून खड़े के बाद अब माकन वही सोचते हैं।

यांगी नालिकाजून खड़े के बाद अब माकन वही सोचते हैं।

यांगी नालिकाजून खड़े के बाद अब माकन वही सोचते हैं।

यांगी नालिकाजून खड़े के बाद अब माकन वही सोचते हैं।

यांगी नालिकाजून खड़े के बाद अब माकन वही सोचते हैं।

यांगी नालिकाजून खड़े के बाद अब माकन वही सोचते हैं।

यांगी नालिकाजून खड़े के बाद अब माकन वही सोचते हैं।

यांगी नालिकाजून खड़े के बाद अब माकन वही सोचते हैं।

</



संपादकीय

न्यूजविलक पर तगड़ा पिलक

विदेश से मिले फेड खास तौर पर चीन से मिले पैसों के खुलासे के बाद विवादों से घिरे इंटरनेट समाचार सूचना प्लेटफॉर्म देश के न्यूजविलक पर दिल्ली पुलिस ने तगड़ा पिलक किया है। दिल्ली पुलिस ने इससे सबूद नोएडा और गोप्तियाबाद समेत कुछ स्थानों पर दिवारों पर लिखा है। इसके कर्ता-धर्मी यानी प्रधान संपादक प्रबोर पुकारवस्थ है। पुकारवस्थ को इससे पुलिस को इकोनॉमिक अपील से घिरा चाहिए कि एक दिल्ली हाई कोर्ट ने 22 अगस्त को नोटिस भी दिया था। याचिका में अंतरिम आदेश वापस लेने की अपील की गई थी। अंतरिम आदेश में प्रबोर के खिलाफ सख्त कार्रवाई पर प्रतिवध लगाया गया था। दिल्ली पुलिस ने इस बार अपने रडार पर कई चर्चित प्रबोरों को लिया है। इनमें पुकारवस्थ के अलावा अभियान शर्मा, उमिलेस, संजय राजौरा, भाषा सिंह, औनिंदो कर्कवारी और साहेल हाशमी हैं। इनकी बजाय वह है कि यह सभी न्यूजविलक से किसी न किसी तरह संबंध है। इनको कुछ न कुछ पैसे मिले हैं। दो साल पहले 2021 में दिल्ली हाई कोर्ट ने सात जल्लाई को प्रबोर पुकारवस्थ को गिरफ्तार न करने का आदेश पुलिस को दिया था। मगर दिल्ली हाई कोर्ट ने स्पष्ट कहा था कि पुकारवस्थ को अधिकारियों के निर्देशों के मुताबिक जांच में सहयोग करना चाहिए। न्यूजविलक के वित्तप्रबोर की गुंज इस साल संसद के मानसून सत्र में हो रही है। सात अगस्त वापसी के बाद जांच संसद के निश्चिकता द्वारा न्यूजविलक को मिलने वाली चाहिए की फंडिंग का मुद्दा जोरशोर से उठाया था। यह वही दिन है जब गहुल गांधी सदस्यता बहाल होने पर 137 दिन बाद संसद भवन पहुंचे थे। उन्होंने कहा था कि देश में पैदाओं देश के पैसों से प्रशान्तमी नरेंद्र मोदी के खिलाफ महाराष्ट्र बनावल बनाया गया। न्यूजविलक में वैदेशी देश से ऐसा आया। इस प्रकार एक अंतरिम आदेश में दुबे की टिप्पणी के कुछ अंश हटाए गए। विरोधी की लापत्ति शर्त होने पर केंद्रीयमंत्री अनुग्रह ठाकुर को सामने आया पड़ा। उन्होंने संघवादाता सम्मेलन में आपोला लाया कि 'कांग्रेस, चीन और विवादित न्यूज वेबसाइट न्यूजविलक एक ही गर्भनाल से जुड़े हैं। राहुल गांधी की 'नकली भोजन्त तो तुकड़ा' में पैदाओं सामान साफ देखा जा सकता है। चीन के प्रति कांग्रेस ने नकल आ रहा है। वे कार्रवाई अधियान चला रहे हैं।' अनुग्रह ठाकुर ने कहा है कि न्यूजविलक को कांग्रेस ने लाया रहा है। इनकी फंडिंग का जाल देखें तो नेतृत्व रेंज सिंधु ने इसके फंडिंग को। फंडिंग उसे चीन की ओर से आई। दिल्ली पुलिस की न्यूजविलक पर ताजा कार्रवाई को कांग्रेस को पच नहीं रखी। तीन अक्टूबर दिन मंगलवार की यह कार्रवाई 17 अगस्त को गैरकूनी गणितिविधान (रोकथाम) अधिनियम और आपोली की अन्य धाराओं के तहत दिन मामले पर आधारित है। इसमें धारा 153ए (दो समूहों के बीच दुर्घटनी को बढ़ावा देना) और धारा 120बी (आपोलीक सजिल) लिया है। यह यह भी जाना जरूरी है कि न्यूजविलक के केंद्रीय टाइम्स ने अन्य धाराओं को इसमें भी दावा किया गया था कि इस वेबसाइट को चीन से बक्स बक्स पर फंड मिलता है। इसके बाद यह भी आपोल लगे कि इस वेबसाइट को 'अमेरिकी टेक मुगल नेविल रेंज सिंधु' वित पोषित करते हैं।

राजनीतिक तापमान छाड़ाएगा जातिगत जनगणना



“ वही कुछ का माना है कि जातिगत जनगणना कराने से कई तरह के आंकड़े सामने आएंगे, इसलिए केंद्र सरकार जनगणना ही नहीं करा रही है, जो कि साल 2021 में हो जानी थी। ऐसे में विषय को मोका मिला है इस मुद्दे पर जमकर राजनीति शुरू हो चुकी है। विषय को पार्टियों के गठबंधन इंडिया ने जीती 18 जुलाई को बैंगलुरु में बैठक के बाद देश में जातिगत जनगणना कराने की मांग की थी। कांग्रेस पार्टी के कई बैठकों ने हाल के समय में जातिगत जनगणना के मुद्दे को जरूर शोर से उठाया है। जातिगत जनगणना के साथ एक नारा भी लगाया जाता है कि जिसको जितनी संख्या भारी, उसकी उन्होंने हिस्सेदारी। राहुल गांधी ने जीती 18 जुलाई को बैंगलुरु में बैठक के बाद देश में जातिगत जनगणना कराने की मांग की थी। कांग्रेस पार्टी के कई बैठकों ने हाल के समय में जातिगत जनगणना के मुद्दे को जरूर शोर से उठाया है। जातिगत जनगणना के साथ एक नारा भी लगाया जाता है कि जिसको जितनी संख्या भारी, उसकी उन्होंने हिस्सेदारी। राहुल गांधी ने जीती 18 जुलाई को बैंगलुरु में बैठक के बाद देश में जातिगत जनगणना कराने की मांग की थी। कांग्रेस पार्टी के कई बैठकों ने हाल के समय में जातिगत जनगणना के मुद्दे को जरूर शोर से उठाया है। जातिगत जनगणना के साथ एक नारा भी लगाया जाता है कि जिसको जितनी संख्या भारी, उसकी उन्होंने हिस्सेदारी। राहुल गांधी ने जीती 18 जुलाई को बैंगलुरु में बैठक के बाद देश में जातिगत जनगणना कराने की मांग की थी। कांग्रेस पार्टी के कई बैठकों ने हाल के समय में जातिगत जनगणना के मुद्दे को जरूर शोर से उठाया है। जातिगत जनगणना के साथ एक नारा भी लगाया जाता है कि जिसको जितनी संख्या भारी, उसकी उन्होंने हिस्सेदारी। राहुल गांधी ने जीती 18 जुलाई को बैंगलुरु में बैठक के बाद देश में जातिगत जनगणना कराने की मांग की थी। कांग्रेस पार्टी के कई बैठकों ने हाल के समय में जातिगत जनगणना के मुद्दे को जरूर शोर से उठाया है। जातिगत जनगणना के साथ एक नारा भी लगाया जाता है कि जिसको जितनी संख्या भारी, उसकी उन्होंने हिस्सेदारी। राहुल गांधी ने जीती 18 जुलाई को बैंगलुरु में बैठक के बाद देश में जातिगत जनगणना कराने की मांग की थी। कांग्रेस पार्टी के कई बैठकों ने हाल के समय में जातिगत जनगणना के मुद्दे को जरूर शोर से उठाया है। जातिगत जनगणना के साथ एक नारा भी लगाया जाता है कि जिसको जितनी संख्या भारी, उसकी उन्होंने हिस्सेदारी। राहुल गांधी ने जीती 18 जुलाई को बैंगलुरु में बैठक के बाद देश में जातिगत जनगणना कराने की मांग की थी। कांग्रेस पार्टी के कई बैठकों ने हाल के समय में जातिगत जनगणना के मुद्दे को जरूर शोर से उठाया है। जातिगत जनगणना के साथ एक नारा भी लगाया जाता है कि जिसको जितनी संख्या भारी, उसकी उन्होंने हिस्सेदारी। राहुल गांधी ने जीती 18 जुलाई को बैंगलुरु में बैठक के बाद देश में जातिगत जनगणना कराने की मांग की थी। कांग्रेस पार्टी के कई बैठकों ने हाल के समय में जातिगत जनगणना के मुद्दे को जरूर शोर से उठाया है। जातिगत जनगणना के साथ एक नारा भी लगाया जाता है कि जिसको जितनी संख्या भारी, उसकी उन्होंने हिस्सेदारी। राहुल गांधी ने जीती 18 जुलाई को बैंगलुरु में बैठक के बाद देश में जातिगत जनगणना कराने की मांग की थी। कांग्रेस पार्टी के कई बैठकों ने हाल के समय में जातिगत जनगणना के मुद्दे को जरूर शोर से उठाया है। जातिगत जनगणना के साथ एक नारा भी लगाया जाता है कि जिसको जितनी संख्या भारी, उसकी उन्होंने हिस्सेदारी। राहुल गांधी ने जीती 18 जुलाई को बैंगलुरु में बैठक के बाद देश में जातिगत जनगणना कराने की मांग की थी। कांग्रेस पार्टी के कई बैठकों ने हाल के समय में जातिगत जनगणना के मुद्दे को जरूर शोर से उठाया है। जातिगत जनगणना के साथ एक नारा भी लगाया जाता है कि जिसको जितनी संख्या भारी, उसकी उन्होंने हिस्सेदारी। राहुल गांधी ने जीती 18 जुलाई को बैंगलुरु में बैठक के बाद देश में जातिगत जनगणना कराने की मांग की थी। कांग्रेस पार्टी के कई बैठकों ने हाल के समय में जातिगत जनगणना के मुद्दे को जरूर शोर से उठाया है। जातिगत जनगणना के साथ एक नारा भी लगाया जाता है कि जिसको जितनी संख्या भारी, उसकी उन्होंने हिस्सेदारी। राहुल गांधी ने जीती 18 जुलाई को बैंगलुरु में बैठक के बाद देश में जातिगत जनगणना कराने की मांग की थी। कांग्रेस पार्टी के कई बैठकों ने हाल के समय में जातिगत जनगणना के मुद्दे को जरूर शोर से उठाया है। जातिगत जनगणना के साथ एक नारा भी लगाया जाता है कि जिसको जितनी संख्या भारी, उसकी उन्होंने हिस्सेदारी। राहुल गांधी ने जीती 18 जुलाई को बैंगलुरु में बैठक के बाद देश में जातिगत जनगणना कराने की मांग की थी। कांग्रेस पार्टी के कई बैठकों ने हाल के समय में जातिगत जनगणना के मुद्दे को जरूर शोर से उठाया है। जातिगत जनगणना के साथ एक नारा भी लगाया जाता है कि जिसको जितनी संख्या भारी, उसकी उन्होंने हिस्सेदारी। राहुल गांधी ने जीती 18 जुलाई को बैंगलुरु में बैठक के बाद देश में जातिगत जनगणना कराने की मांग की थी। कांग्रेस पार्टी के कई बैठकों ने हाल के समय में जातिगत जनगणना के मुद्दे को जरूर शोर से उठाया है। जातिगत जनगणना के साथ एक नारा भी लगाया जाता है कि जिसको जितनी संख्या भारी, उसकी उन्होंने हिस्सेदारी। राहुल गांधी ने जीती 18 जुलाई को बैंगलुरु में बैठक के बाद देश में जातिगत जनगणना कराने की मांग की थी। कांग्रेस पार्टी के कई बैठकों ने हाल के समय में जातिगत जनगणना के मुद्दे को जरूर शोर से उठाया है। जातिगत जनगणना के साथ एक नारा भी लगाया जाता है कि जिसको जितनी संख्या भारी, उसकी उन्होंने हिस्सेदारी। राहुल गांधी ने जीती 18 जुलाई को बैंगलुरु में बैठक के बाद देश में जातिगत जनगणना कराने की मांग की थी। कांग्रेस पार्टी के कई बैठकों ने हाल के समय में जातिगत जनगणना के मुद्दे को जरूर शोर से उठाया है। जातिगत जनगणना के साथ एक नारा भी लगाया जाता है कि जिसको जितनी संख्या भारी, उसकी उन्होंने हिस्सेद

गौवंश की जो दुर्गति इस सरकार में हुई वो पहले कभी नहीं हुई: दीपेन्द्र

खरबौदा/सोनीपत/सोमपाल सैनी
सांसद दीपेन्द्र हुड़ा बोंदिन देव शाम
धर्मर्थ गौवंश सिसाना के 121वें
वार्षिकोत्सव पर अयोजित एक कार्यक्रम
में शिक्षक करने पहुंचे। इस दीपावली उन्होंने
कहा कि गौवंश की जो दुर्गति इस सरकार
में हुई वो पहले नहीं हुई। गौवंश के
प्रति सरकार में बैठे लोगों का सास इतना
ही योद्धान है कि वो गौवंश की जय
बोल दे रहे हैं। लेकिन, केवल गौवंश की
जय बोलने से गौवंश की रक्षा नहीं हो
सकती। वो तो सामाजिक और धार्मिक
संस्थाएं ही जिनके अथक प्रयासों के
कारण गौवंश की रक्षा हो रही है।
दीपेन्द्र हुड़ा ने कहा कि गौवंश सिसानी
सनातन संस्कृति की प्रतीक है और
उसकी सेवा करना हमारा ढूँसंकल्प है।
दीपेन्द्र हुड़ा ने कहा कि हरियाणा की
बीजपी-जयपी सरकार गौवंश के लिए
नाम मार का अनुबन्ध देती है जो प्रति
गौवंश के हिसाब से ऊंट के मुंह में जरि



के समान है। आज आसमान छूटी महंगाई के जरूरों में इतनी कम गांश से गौवंश का पेट नहीं भरा जा सकता। उन्होंने बताया कि हरियाणा से लाते पड़ोसी गर्जांह राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश की सरकारों गौवंश के लिए गौशालाओं के प्रतिनिधि गांश के हिसाब से अनुदान गांश देती है। सरकार को बढ़ावा महंगाई देखते हुए अनुदान गांश में सुनिचत बढ़ोत्तरी करनी चाहिए। उन्होंने मांग करी कि हरियाणा की बीजपी-जयपी सरकार ग्रामीण-शासी क्षेत्रों में छुट्टा पशुओं के चारों वर्ष रहने की व्यवस्था सुनिश्चित करे और पर्याप्त बजट दे। प्रदेशभर में

निशाना बनाया

8 दीपेन्द्र हुड़ा ने कहा कि गौवंश सिसानी संस्कृति की प्रतीक है और उसकी सेवा करना हमारा दृढ़ संकल्प है।

की बात ये है कि हरियाणा को कागजों पर 2019 से ही बेसहारा पशु मुक्त राज्य घोषित किया जा चुका है। प्रदेश भर में सड़कों पर धूम रहे हुड़ा पशु आरोदिन सड़क दुर्घटन में घायल तो होते ही हैं। इसके पर इनकी खुद सड़कों पर बहुत सारा गोवंश घूमता है। इसका अलावा, सरकार ने विधानसभा में खुद माना था कि 5 वर्षों में 900 से अधिक लोग बेसहारा पशुओं के कारण सड़क हादरी में अपनी जान गंवा चुके हैं और 3000 से ज्यादा लोग इन दुर्घटनाओं में घायल हो चुके हैं। हरेनी

फरमान, पूर्व विधायक पदम दहिया, उर्जुन दहिया, सुरेंद्र शर्मा, जोगेंद्र दहिया, राजकुमार कर्माण्डा, गौशाला के प्रधान राणवीप कुलदीप प्रधान, सुरेश प्रधान, जग्नी प्रधान, चांद पहलवान, पूर्व पार्षद सुनील, शमशेर सिसाना, संजय खेड़ा, कुमार मलिक, रवि इंद्रेग, राजमल चहल, अमन दहिया, कुमुमलता, अंजू बाला खट्क, मीना धकड़, संजय बड़वासी, रमेश वेयसैन, विक्की सिसाना, बबलू प्रधान, अशक सेतुपुर, कुलदीप देशवाल, वीरेंद्र विक्रमान, बातु प्रधान, बिजेंद्र गोखली, रवि दहिया, राम दहालपुर, इंद्रजीत दिवाज़, कृष्ण प्रधान, ढीलू प्रधान, अंजूल दहिया, राजकुमार राणा, रमेश प्रधान, राम सिंह प्रधान, गौशाला सिसाना की समस्त कार्यकारी, खरखोदा हल्के के आस-पास के गांवों के मौजूदा प्रधान, पूर्व प्रधारों सहित अनेकों ग्रामान्य लोग और जौजूद रहे।

रोटरी केयर्स फॉर यू के तहत राजवंशी स्कूल में वितरित की किट



न्यूज प्लैश

बेटी बच्चाओं-बेटी पढ़ाओं अभियान पर जिला स्तरीय कार्यक्रम आज सभागार में

टीम एक्शन इंडिया/संजय शर्मा
नारनीलूल बेटी बच्चाओं-बेटी पढ़ाओं अभियान को लेकर 4 अक्टूबर को सुबह 10 बजे बाल विकास भवन में लाली स्टरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। महिला एवं बाल विकास भवन में विधायिका की तरफ से करवाया जा रहा है इस कार्यक्रम में उपायुक्त मोनिका गुप्ता (आर्थिएस) मुख्य अधिकारी के तौर पर मौजूद रहेंगी।

इस कार्यक्रम में जिला के उन गांवों का लिंगायुपात खाली है। इन गांवों के सरपर, पंच, नंबरवार, बीचीदार, आशा वर्वर, एसएसएम, अंगनवारी वर्वर, हेलपर तथा सुपरवाइजर शामिल होंगे। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से बेटी बच्चाओं का व्यायाम दिया जाएगा। इसके अलावा महिला उत्थान तथा बीचियों से संबंधित सरकारों की जनकार्यालयी की विभिन्न योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। वहाँ एक डॉक्युमेंट फिल्म भी दिखाई जाएगी। इस कार्यक्रम में विभिन्न विधायिकों के अधिकारी भी मौजूद होंगे। जिला रेडिओस्स की तरफ से इस मीठे पर एक जारासरकत रेली का भी आयोजन किया जाएगा जो शहर के विभिन्न हिस्सों में जारक नगरिकों को बेटी बच्चाओं बेटी पढ़ाओं का संदेश देंगे। इसके अलावा महिला उत्थान तथा बीचियों से संबंधित सरकारों की जनकार्यालयी की विभिन्न योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। वहाँ एक डॉक्युमेंट फिल्म भी दिखाई जाएगी। इस कार्यक्रम में विभिन्न विधायिकों के अधिकारी भी मौजूद होंगे। जिला रेडिओस्स की तरफ से इस मीठे पर एक जारासरकत रेली का भी आयोजन किया जाएगा जो शहर के विभिन्न हिस्सों में जारक नगरिकों को बेटी बच्चाओं बेटी पढ़ाओं का संदेश देंगी। यह रेली सभागार में जारक बाल विकास से लेकर बाल भवन पर मौजूद होंगे। इसमें यह सभी हाथों में तख्तावर लेकर बेटी बच्चाओं बेटी पढ़ाओं का संदेश देने हुए चर्चेंगे। इस कार्यक्रम के लिए जिला प्रशासन द्वारा सभी प्रकार की तैयारी पूरी कर ली गई है।

राजकीय महाविद्यालय में साइबर क्राइम जागरूकता शिविर आयोजित

टीम एक्शन इंडिया/संजय शर्मा
नारनीलूल साइबर थाना से एसएआई दीपक व एसएआई इंद्रजीत के द्वारा गवर्नर्मेट पीजी कॉलेज छिलोर नियमाला पूर्व में एक जागरूकता कैंप का आयोजन किया गया।

इस दौरान छात्र-छात्राओं की ओर से लॉटरी, एनाडेक्ट एप, टीम व्यूर, एसएसएस फॉर्मार्डिंग एप, लोन एप, फेंक करस्टर कैरेकर नंबर आदि के माध्यम से लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। इसके अलावा ऑनलाइन जॉब फ्रेंडिंग व डीपेंड के डिटल प्राप्त कर भी साइबर थाना साइबर क्राइम के शिकार हो रहे हैं तो तुरंत साइबर करने वाले रोकते हैं। इसके अलावा ऑनलाइन जॉब फ्रेंडिंग पर कॉलेज विकास के लिए उपलब्ध एप अनेक लोगों ने उनको बहाई दी है। नवी सिंह नारनीलूल में एक जागरूकता कैंप का आयोजन किया गया।

उन्होंने छात्रों को बताया कि साइबर अपराधियों की ओर से लॉटरी, एनाडेक्ट एप, टीम व्यूर, एसएसएस फॉर्मार्डिंग एप, लोन एप, फेंक करस्टर कैरेकर नंबर आदि के माध्यम से लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। इसके अलावा ऑनलाइन जॉब फ्रेंडिंग पर कॉलेज विकास के लिए उपलब्ध एप अनेक लोगों ने उनको बहाई दी है। नवी सिंह नारनीलूल में एक जागरूकता कैंप का आयोजन किया गया।

उनको आपने खाली हाथों में तख्तावर लेकर बेटी बच्चाओं बेटी पढ़ाओं का संदेश देने हुए चर्चेंगे। इस कार्यक्रम के लिए जिला प्रशासन द्वारा सभी प्रकार की तैयारी पूरी कर ली गई है।

नारनीलूल के नवी सिंह ने जीता मिस्टर इंडिया का खिताब अब जाएंगे थाईलैंड

टीम एक्शन इंडिया/संतोष कुमारी
नारनीलूल मिसिंगवाडा दशमेश नगर निवासी नवी सिंह नारनीलूल में बेटी बच्चाओं-बेटी पढ़ाओं में एक जागरूकता कैंप का आयोजन किया गया।

इस दौरान छात्र-छात्राओं की ओर से लॉटरी, एनाडेक्ट एप, टीम व्यूर, एसएसएस फॉर्मार्डिंग एप, लोन एप, फेंक करस्टर कैरेकर नंबर आदि के माध्यम से लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। इसके अलावा ऑनलाइन जॉब फ्रेंडिंग पर कॉलेज विकास के लिए उपलब्ध एप अनेक लोगों ने उनको बहाई दी है। नवी सिंह नारनीलूल में एक जागरूकता कैंप का आयोजन किया गया।

उन्होंने छात्रों को बताया कि साइबर अपराधियों के चंगुल में आपने से बच सकते हैं। उन्होंने कहा कि अपने बैंक खाते से संबंधित जाकारी की सिसी को न दें, एटीएम पर एसोसिएट बैंक से पैसा न रखें। अगर अपके पास किसी बैंकी वाली वातावरण में आपने बैंक खाते से बच सकते हैं। जिसके चलते आशा वर्कर जगह जगह धन धन देने को मजबूर है। इसके अलावा ऑनलाइन अपराधियों के चंगुल में आपने से बच सकते हैं। उन्होंने कहा कि अपने बैंक खाते से संबंधित जाकारी की किसी को न दें, एटीएम पर एसोसिएट बैंक से पैसा न रखें। अगर अपके पास किसी बैंकी वाली वातावरण में आपने बैंक खाते से बच सकते हैं। जिसके चलते आशा वर्कर जगह जगह धन धन देने को मजबूर है। इसके अलावा ऑनलाइन अपराधियों के चंगुल में आपने से बच सकते हैं। उन्होंने कहा कि अपने बैंक खाते से संबंधित जाकारी की किसी को न दें, एटीएम पर एसोसिएट बैंक से पैसा न रखें। अगर अपके पास किसी बैंकी वाली वातावरण में आपने बैंक खाते से बच सकते हैं। जिसके चलते आशा वर्कर जगह जगह धन धन देने को मजबूर है। इसके अलावा ऑनलाइन अपराधियों के चंगुल में आपने से बच सकते हैं। उन्होंने कहा कि अपने बैंक खाते से संबंधित जाकारी की किसी को न दें, ए

